





# प्रगति यात्रा : मुख्यमंत्री ने सहरसा जिले को दी 210 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात, 52 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास स्वयंसहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही है महिलाएं : नीतीश

पटना, प्रातः : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रुवरार को प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में सहरसा जिले के सत्रकट्टैया प्रखंड स्थित 10+2 उच्च विद्यालय, मेनहा के परिसर से 210 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 25 विकासात्मक योजनाओं को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने खाली लाखों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने खाली लाखों को प्रदान किया। इनमें 9 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन तथा 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 16 योजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें 9 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन तथा 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 16 योजनाओं का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रुवरार को स्टॉल पर लगाए गए विभाग उत्पादों को अतिरिक्त 120 लाखुओं को 2 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत 46 हजार रुपये तथा 15 लाख 62 हजार रुपये से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 9 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन तथा 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीविका वीडीओ के स्टॉल पर लगाए गए विभाग उत्पादों को अतिरिक्त 120 लाखुओं को 2 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत लाखुओं को 16 लाख 60 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को अधिकारियों ने तिलावे धार को पुनर्जीवित करने, इससे सिंचाई सुविधा बढ़ाने तथा बाल न्यूनीकरण प्रस्तावित योजना का रखा चिरके अंतर्गत 38 काली को 36 लाख 44 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री उड़ायी योजना के अंतर्गत 120 लाखुओं को 2 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत लाखुओं को 16 लाख 60 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को अधिकारियों ने तिलावे धार को पुनर्जीवित करने, इससे सिंचाई सुविधा बढ़ाने तथा बाल न्यूनीकरण प्रस्तावित योजना का रखा चिरके अंतर्गत 38 काली को 36 लाख 44 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री उड़ायी योजना के अंतर्गत 120 लाखुओं को 2 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत लाखुओं को 16 लाख 60 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को अधिकारियों ने तिलावे धार को पुनर्जीवित करने, इससे सिंचाई सुविधा बढ़ाने तथा बाल न्यूनीकरण प्रस्तावित योजना का रखा चिरके



तिलावे नदी की गाँव की समस्या के निदान से जलगमाव की समस्या दूर होगी

मुख्यमंत्री ने तिलावे नदी की गाँव की समस्या के निदान से जलगमाव की समस्या दूर होगी। इस धार की मध्यम से जलकरी दी। इस धार के लिए 150 किमी होगी और चाड़ाई 50 मी होगी। इस धार के नुज़ीवित वाहन से सुपील, मधेपुरा, सहरसा एवं खगड़िया जिले के 2700 हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित होंगे। इस योजना की प्राक्कलित राशि 1253.516 लाख रुपये है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि तिलावे धार के पुनर्जीवित होने से सुपील, मधेपुरा, भरवर रहे।

## ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री सप्रताव चौधरी, जल संसाधन सह

काफी लाभ होगा। क्षेत्र में जलगमाव की समस्या से मुक्त मिलेगी। इससे वाहन नुज़ीवित होने से सुपील, मधेपुरा, उद्धोने कहा कि इस तरह से खुबाई क्षेत्र एवं ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। परिसर की सफ-साफ़ी का भी ध्यान रखें। इस विद्यालय परिसर में खेल परिसर का उद्घाटन किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाल की निरीक्षण किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाल की निरीक्षण किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाल की निरीक्षण किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली।

## शैक्षणिक कार्यकलाप को बेहतर ढंग से संचालित करें

मुख्यमंत्री ने सतर कैटॉप्र खेड़ के मेनहा ग्राम में 520 आसनवाले अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय 10+2 उच्च विद्यालय भवन का शिलान्यास एवं एक फीटा काट्टर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने नवानिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और परिसर में बनाए गए शिक्षकों के आवास एवं छात्रावास सहित अन्य भागों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। शिक्षक इसी परिसर में रखकर छात्रों को अच्छे से पढ़ाएं। बच्चों के रहने के बाल हेतु अच्छी शिक्षा मिल सके। परिसर की सफ-साफ़ी का भी ध्यान रखें। इस विद्यालय परिसर में खेल परिसर का उद्घाटन किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाल की निरीक्षण किया और वहां छात्रों से बातचीत कर पढ़ाइ एवं संवाद में जानकारी ली।

## पढ़ाई संबंधित सुविधाओं का रखा जा रहा थ्याल

मुख्यमंत्री ने विशनपुर में पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया और परिसर में बनाए गए प्रथम बर्गीय पशु विकासात्मक लाभ एवं अन्य भागों का जायजा लिया। साथ ही वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने 237.29 लाख रुपये की लाभान्वित होने वाली तथा बाल हेतु अच्छी शिक्षा मिल सके। परिसर की सफ-साफ़ी का भी ध्यान रखें। इस विद्यालय परिसर के स्मार्ट संबंधित विभाग एवं छात्रावास रुम, उद्योग विभाग, अन्यसंस्कृत कल्याण विभाग, और विभिन्न विभागों की जायजा लिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने शिलान्यास परिसर के स्मार्ट संबंधित विभाग एवं छात्रावास रुम, उद्योग विभाग, अन्यसंस्कृत कल्याण विभाग, और विभिन्न विभागों की जायजा लिया गया।

## कज्हौली से कोईलवर 4 लेन तक सङ्क का होगा घौड़ीकरण : विजय

- कहा-विहटा जाम की समस्या की शीघ्र होगा समाधान
- नगरह एनएच-139 से पैरेवे के पास बनेगा वैकल्पिक मार्ग

पटना, प्रातः : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री की अध्यक्षता में ग्रुवरार को बिहटा जाम की समस्या को एक उच्च सर्वान्वय बैठक में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। पटना, भोजपुर एवं सारांश के बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर आक्षीय सम्बन्धित विभागों को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।



ने बताया कि बिहटा जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा नि�र्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।

परेवे के पास एक ब्रैक्टिव कार्यालय में जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।

ने बताया कि बिहटा जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।

ने बताया कि बिहटा जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।

ने बताया कि बिहटा जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा नि�र्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथा निर्माण विभाग को बिहटा जाम की अंतर्गत उपस्थित रहे।

ने बताया कि बिहटा जाम की समस्या को निराकरण बहुत अवश्यक है। इसे देखते हुए एक ब्रैक्ट में ब्रैक्ट के अंतर्गत उपस्थित रहे। ब्रैक्ट में अपर मुख्य सचिव, यथ





# विचार मंथन

 @Pratahkiran  
 [www.pratahkiran.com](http://www.pratahkiran.com)  
ਪਟਨਾ, ਸ਼ੁਕ੍ਰਵਾਰ, 24 ਜਨਵਰੀ, 2025

# सुभाष चंद्र बोस

## रवीद्रकुमाररत्न

भारत का रक्षा म जिसन ,  
सब कुछ ही अपनावार दिया।  
आजादी के उस दीवाने ,  
को सब मिलअपनायारदिया।  
आज जन्म दिन है सुभाष का  
जिसकी मृत्यु का पता नहीं ।



वामत्वा का तपार था ।  
उत जी चुके अपने खातिर  
दिन तो मरना ही होगा ।  
मरना होगा भाग्य मेरा ?  
राष्ट्र हित मरना होगा  
भूमि के लिए अब तो  
सर्वस्व चढ़ाना होगा  
जेज शेर के पंजों से  
छीन कर लाना होगा ।

नी - सदन, सुभाष चौक  
पीपुर, वैशाली, ( बिहार )

सुरेश हिंदुस्तानी

ी में चुनावी घमास

जयं तत्त्वं यज्ञं की सत्ता परापूर्वक एव दुर्लभं इति राजनीतिकं जयं तत्त्वं यज्ञं की सत्ता परापूर्वक एव दुर्लभं इति राजनीतिकं जयं तत्त्वं यज्ञं के लिए सभी राजनीतिक लड़ मतदाताओं के लिए ए नहीं होने वाले चुनाव के लिए एक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेबड़ी बाटने की योजना जनना चाहिए बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने टाटारों को खोलकर बैठती है। अब इसमें काग्रेस और भाजपा भी अपने दूसरों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत्त हुई है, जिस ओर आदमी पार्टी बहाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने याप्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार धारानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के बादे करना क्रियाकालीन एवं अविन्द के जरीवाल इस बार यह पूरा विश्वास है कि इस बार बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी। वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे नाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित गहे हैं, उन स्वरों में केवल रेबड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। इस सा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेबड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना एक चुनने के लिए किसकी रेबड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वैट प्राप्त करने का एक ध्याम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना उसी भी पकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। क्योंकि इसका बोझ

# नकली दुनिया की पोल खोलता आईआईटी बाबा अमर्य सिंह

आईआईटा बाब्क का डिग्री, एक आशाजनक एयरलाइस इंजीनियरिंग कारबोर और एक एसा जावन जिसका ज्यादातर लोग सिर्फ कल्पना कर सकते हैं। लेकिन हमेशा की तरह घलने के बजाय, उन्होंने ऐसा चुनाव किया जिसने सभी को छौंका दिया। उन्होंने ज्यादा आधिकारिक जीवन जीने के लिए सब कुछ त्याग दिया। एहले तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ-कोई इतना उज्ज्वल अभियंता वर्षों छोड़ेगा? -लेकिन जैसे-जैसे मैंने उन्हें बात करते सुना, सब कुछ समझ में आने लगा। उन्होंने जीवन में एक वास्तविक उद्देश्य, शांति और अर्थ खोजने के महत्व पर धर्चा की-ऐसी चीजें जिन्हें कोई भी धन या सफलता कभी नहीं खरीद सकती। यह एक शक्तिशाली कहानी थी। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि जीवन सिर्फ समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने या भौंड का अनुसरण करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपना यास्ता खोजने के बारे में है। मैंने पहले सोचा, एक आईआईटीयन इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि अपनी उच्च-भुगतान वाली, आतीशान नौकरी छोड़ दे? वह अपनी दो डिग्रियाँ कैसे बर्बाद कर सकता है? और फिर मुझे समझ में आया कि बचपन का सदमा शब्द बहुत सारे नकारात्मक अर्थ रखता है। उनके साथात्कार वीडियो पर टिप्पणियाँ पढ़कर मुझे और भी बुरा लगा।



# ॐ सत्यवान् सारन्

44-201

बाबा अभय सह व  
वीडियो देखा तो मेरे  
नजरिया पूरी तरह बदल  
गया। मान लेजिए कि आपके पास  
सब कुछ है: आईआईटी बॉम्बे व  
डिग्री, एक आशाजनक एयरोस्पेस  
इंजीनियरिंग करियर और एक ऐसे  
जीवन जिसकी ज्यादतर लोग सिस्टम  
कल्पना कर सकते हैं। लेकिन हमें  
की तरह चलने के बायां, उन्होंने ऐसे  
चुनाव किया जिसने सभी को चौंका  
दिया। उन्होंने ज्यादा आध्यात्मिक  
जीवन जीने के लिए सब कुछ त्या  
दिया। पहले तो मुझे यकीन ही नहीं  
हुआ-कोई इतना उच्चवल भविष्य का  
छोड़ा? -लेकिन जैसे-जैसे मैंने उन  
बात करते सुना, सब कुछ समझ  
आने लगा। उन्होंने जीवन में ए  
वास्तविक उद्देश्य, शांति और अ  
खोजने के महत्त्व पर चर्चा की-ऐसे  
चीजें जिन्हें कोई भी धन या सफलता  
का भी नहीं खरीद सकती। यह एक  
शक्तिशाली कहानी थी। इसने मुझे  
यह एहसास दिलाया कि जीवन सिस्टम  
समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने

आइआईटी के बाद एमबाॅए और यूपीएससी करने वालों ने सीटें बरबाद कर दीं। तो फिर, मुझे बताइए कि उन्होंने सीटें कैसे बरबाद कीं। अगर उन्होंने कोर्स परा नहीं किया होता, तो भी यह तक कुछ हद तक सही होता, लेकिन चूँकि उन्होंने एयरोप्सेस इंजिनियरिंग पूरी की है, इसलिए किसी को यह दावा नहीं करना चाहिए कि उन्होंने अपनी सीट बरबाद कर दी। देखिए कि उनका नजरिया कितना बेहतरीन है। उनके पास सब कुछ था: सबसे अच्छी औपचारिक शिक्षा, सबसे अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, गर्लफ्रेंड और रिश्ते। फिर उन्होंने अपने अंदर खालीपन महसूस किया और संन्यास की राह पर चलने का फैसला किया। मुझे कहना होगा कि वे एक ईमानदार व्यक्ति लगते हैं। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं। झज्जर, हरियाणा में ही उनका जन्म हुआ। उनकी माँ घर पर रहती हैं जबकि उनके पिता वकालत करते हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा के लिए झज्जर में पढ़ाई की। वे कम उम्र से ही एक असाधारण छात्र थे।

इन्हानेयराग म डग्रा हासल का। फर उहें तीन लाख रुपये का पैकेज मिला और वे अपनी नौकरी के लिए कनाडा चले गए। लॉकडाउन के कारण वे कनाडा में ही फंस गए। इस बार उहोंने अपने जीवन पर अधिक चिंतन करना शुरू किया। भारत आने के बाद, वे एक नए आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े। वे बहुत-सी तीर्थयात्राओं पर गए। वे अपनी वर्तमान जीवनशैली से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए वे बहुत आध्यात्मिक हो गए। वे हमेशा अपना घर छोड़ना चाहते थे। वे जोर देकर कहते थे कि सभी माता-पिता दिव्य प्राणी नहीं होते। वे सही कहते हैं कि बहुत से माता-पिता केवल अपने बच्चों को जन्म देते हैं और उनके पालन-पोषण के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। आध्यात्मिक शब्दावली में वह चीज जो सब कुछ पार कर जाती है उसे सत्य कहा जाता है। उहोंने यहाँ तक कहा कि हर कोई मेरी आईआईटी डिग्री को ही दर्शार्त है। मैं उस पर ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहता। व्यक्तिगत रूप से, मैं उससे कहीं ज्यादा हूँ। उनके माता-

दिव्य नामा था। उन्हान सत्य का खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उहोंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। चैंकि उहोंने होशपूर्वक जीवन जिया और चले गए, इसलिए उनके विचार बहुत शुद्ध हैं। इसलिए, कृपया उन्हें पाखड़ी कहना बंद करें। अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, वे अविश्वसनीय रूप से ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं। सत्य और जीवन के उद्देश्य की निरंतर खोज के माध्यम से ही औसत व्यक्ति आध्यात्मिकता से प्रबुद्ध होता है। यू ट्यूबर ने बाबा अभ्य सिंह का साक्षात्कार लिया। इसके बाद, उहोंने खुलासा किया कि आध्यात्मिकता को आगे बढ़ाने के लिए सब कुछ छोड़ने से पहले वे आईआईटी में येरोस्पेस इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल कर रहे थे।

अभ्य सिंह चाहते तो अपने आईआईटी के नाम का इस्तेमाल एक सफल व्यवसाय शुरू करने और बाबा बनने के लिए कर सकते थे। हमने बहुत से आध्यात्मिक गुरुओं को के लिए आईआईटी, आईआईएम टैग का इस्तेमाल करते हैं। इंटरव्यू के दौरान, अभ्य सिंह ने पहले रिपोर्टर को यह भी नहीं बताया कि वह एक आईआईटीयन हैं। अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि के बारे में रिपोर्टर के सवाल के जवाब में, अभ्य सिंह ने जवाब दिया, हाँ, मैं आईआईटी बॉच्ये से हूँ। अभ्य सिंह ने सच की तलाश करके बाकर्ड एक मिसाल कायम की है। आप उनके इंस्टाग्राम पर जाकर देख सकते हैं कि वह कितने ज्ञानी हैं। प्रशंसा वास्तव में उस व्यक्ति की है जिसने सब कुछ त्याग दिया है और आध्यात्मिक मार्ग पर चल रहा है। उसने सत्य की खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उहोंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। जो शन्य हैं वही शिव से मिल सकते हैं उनके दो उद्धरणों में से एक है जिसे मैं हमेशा याद रखूँगा। कहाँ जाओगे चलते चलते? यहीं आओगे। आखिरकार मुझे इस नकली दुनिया में कोई सच्चा मिल गया।

छोटी से छोटी मामूली चीजों से लेकर बड़ी से बड़ी और आरी से भारी वस्तुएं चीन द्वारा निर्मित कर भारत भेजी जा रही हैं। ये वस्तुएं अपनी उत्पादन क्षमता के लिए जारी हैं।

वर्ही याईना की रंग बिरंगी लाइट्स दीपावली, नववर्ष जैसे अनेक अवसरों पर पूरे देश में अपनी रंगबिरंगी छटाएं बिखेरती है। सजावट, मरीनरी, कांच, पत्थर, प्लास्टिक, खिलौना, कपड़ा, बत्तन, क्रॉकरी, फर्नीचर, हार्डवेयर, आतिथाबाजी, धार्मिक सामग्री, देवी देवताओं भगवानों के चित्र, फोटो फ्रेम, नजर बद्द, कंठी माला टोपी तथीही गुसल्ला गेडिकल व सर्जिकल सामग्री जैसी तमाम थोंगे से सम्बंधित सामग्रियों का निर्माण व इनकी आपृति चीन द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में की जाती है। इन्हीं चीन निर्मित सामग्रियों में कुछ सामग्री ऐसी भी हैं जिनका इस्तेमाल करना लोगों की जान से खिलाफ़ करने जैसा है। ऐसी ही गनोरंजन से जुड़ी एक सामग्री है हाईएना डोर चाईना डोर का प्रयोग पतंगबाजी में किया जाता है। और भारत पूरे विश्व में पतंगबाजी के लिये प्रसिद्ध है।



## निलंबन (लेखिका वरिष्ठ)

•

खखने वाले भारत में चींच  
जैसे पड़ोसी देश के अनिग्नत उत्पन्न  
पटे पड़े हैं। शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा  
जिससे संबंधित सामग्री चीन निर्मित  
कर रहा हो और भारत सहित पूरी दुनिया  
को उनकी आर्थिक न कर रहा हो। छोटी-  
से छोटी मामूली चीजों से लेकर बड़ी-  
से बड़ी और भारी से भारी वस्तुओं चंचल  
द्वारा निर्मित कर भारत भेजी जा रही हैं  
मिसाल के तौर पर जहाँ चीन निर्मित  
मोबाइल फोन लैपटॉप व कंप्यूटर  
आदि भारतीय बाजार में भरे पड़े

दावावला, नववध जस अनक अवसरा  
पर पूरे देश में अपनी रंगबिरंगी छातायें  
बिखरती हैं। सजावट, मशीनरी, कांच,  
पत्थर, प्लास्टिक, खिलौना, कपड़ा,  
बर्टन, क्रॉकरी, फर्नीचर, हार्डवेयर,  
आतिशबाजी, धार्मिक सामग्री, देवी  
देवताओं भगवानों के चित्र, फोटो फ्रेम,  
नजर बट्टु, कठी माला टोपी तस्बीह  
मुसल्ला मेडिकल व सर्जिकल सामग्री  
जैसी तमाम क्षेत्रों से सम्बद्धित सामग्रियों  
का निर्माण व इनकी आपूर्ति चीन द्वारा  
भारत सहित पूरे विश्व में की जाती  
है। इन्हीं चीन निर्मित सामग्रियों में कुछ

लागा का जान से खिलवाड़  
जैसा है। ऐसी ही मनोरंजन से  
एक सामग्री है ह्याचिना डोर ह्या।  
ह्याचिना डोर ह्या का प्रयोग पतंगबाजी  
या जाता है और भारत पुरे विश्व  
बाजी के लिये प्रसिद्ध है। वसंत  
जैसे अनेक त्योहारों पर तथा  
ताता दिवस के अवसर पर और  
अलावा ह्याचिनों के दिनों में तमाम  
अपने फुर्झों के लम्हे पतंगबाजी  
ताता चाहते हैं। चीन जहाँ भारत  
तरह की रंग बिरंगी छोटी बड़ी  
नेव्यात करता है वहाँ पतंग उड़ने में

चान न स हा आता हा । दरअसल पतंगबाजी में प्रयुक्त मांझी जो भारत में भी बनता है उसमें भी कुशग्राता अथवा धार पैदा करने के लिये उसमें पिसे हये कांच का पाउडर मिलाया जाता है । और भारत में चाईना डोर के अने की शुरूआत से पहले भी पतंग उड़ाने वाले मांझी में उलझकर अनेक लोग जख्मी हो जाते थे । परन्तु आखिरकार वह भारतीय माझा टूट जाया करता था । लेकिन जबसे भारतीय बाजार में चाईनीज मांझी ने अपनी दस्तक दी है तब से तो पतंगबाजी मनोरंजन से अधिक दहशत भरे व जानलेवा मनोरंजन के हा गवा हा नि शब्द हा काइ दिन एसा होता हो जिस दिन देश के किसी न किसी कोने से चाईना डोर के चलते होने वाले हादसों की खबरें न आती हों । दरअसल चाईना डोर में प्रयुक्त धागा किसी ऐसी सामग्री का बना हुआ तेज धार वाला धागा है जो किसी व्यक्ति, वाहन पशु पक्षी से उलझने के बावजूद खिचने पर आसानी से टूटा नहीं । पिछले दिनों हद तो यह हो गयी कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन ही अकेले गुजरात में ही 6 लोग पतंगबाजी में मर गये । आश्वर्य तो यह कि स्वयं केंद्रीय गृह मंत्री अमित उसा दिन गुजरात म हा स्थानावय लागू के साथ पतंग उड़ाने का आनंद लिया उहोने उत्तरायण पर्व (मकर संक्रांति) के अवसर पर शहर के मेमनगर इलाके में शातिनिकेतन अपार्टमेंट की छत पर पतंग उड़ाई पूरे देश में उसी दिन चाईना डोर से अनेक लोगों की मौत हो गयी इसका तीखापन, धार व मजबूती ऐसी है कि आजके दोर में दुपहिया व चारपहिया वाहनों में इस्तेमाल होने वाले फाईबर या प्लास्टिक के बने बम्पर, लेग गॉडेस अथवा अन्य ऐसेसीरीज को भी यह काटा देता है ।

बांग्लादेश और म्यांमार में कश्मीर के लिए यह एक खतरनाक स्थिति हो सकती है। यहाँ रोहिंग्या बहुत मारात्मक है। तस्करों के चंगल में

देखने को मिल रहे हैं। कोलकाता में पकड़ा गया अब्दुल रहमान बांग्लादेश का रोहिंग्या मुस्लिम है और कई साल से कश्मीर में मजदूरी करता है। उसके साथ करीब 12- 12 साल की दो बच्चियां थीं, जिन्हें वो अपने साथ कश्मीर ले जा रहा था। आए दिन न जाने ऐसी कितनी ही रोहिंग्या लड़कियों को अवैध तरीके से जम्मू-कश्मीर समेत देश के कई राज्यों में लाकर जबरदस्ती दुल्हन बना दिया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में यह रैकेट लंबे समय से चल रहा है। पहले बांग्लादेश और अब म्यांमार से भी रोहिंग्या लड़कियों को यहां लाकर उनकी शादी उम्र से दोगुने शख्स से करा दी जाती है। यही नहीं दिव्यांग या मानसिक रूप से अक्षम लोग, जिनकी शादी जम्मू-कश्मीर में नहीं हो पाती है, वो भी इस अवैध तरीके से दुल्हन खरीद रहे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के राडार पर ऐसे कई नेटवर्क हैं जिनकी पहचान कर ली गई है, जो एनजीओ की ओट में यह काम कर रहे थे। इसके बाद, 2024 तक 24 रोहिंग्या लड़कियां जम्मू में और 12 कश्मीर में ह्यूदूल्हन बन चुकी हैं। कई लड़कियां अच्छी लाइफ में तस्कर लड़कियों की पहचान करते हैं। कम उम्र की लड़कियों पर इनकी नजर ज्यादा रहती है। मानव तस्करी में लगे लोग हर जगह फैले हैं। खासतौर से जहां रोहिंग्या मुसलमानों की बस्ती हैं। तस्कर लड़कियों को पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा के रास्ते अवैध तरीके से भारत में लाते हैं। फिर यहां से देश के अलग-अलग राज्यों में इन्हें भेजा जाता है। असम पुलिस के मुताबिक रोहिंग्या खासतौर से जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और करेल जाते हैं।

जम्मू कश्मीर में यह रैकेट लंबे समय से चल रहा है। पहले बांग्लादेश और अब म्यांमार से भी गोहिंग्या लड़कियों को ढूठे वांटे और सपने के सञ्जबाग दिखाकर यहां लाया जाता है। बाद में उनकी शादी उनकी उम्र से दोगुनी आयु वाले अधेड़ से करा दी जाती है। यही नहीं दिव्यांग या मानसिक रूप से अक्षम लोग, जिनकी शादी जम्मू-कश्मीर में नहीं हो पाती है, वो भी इस अवैध तरीके से दुल्हन खरीद रहे हैं। पिछले महीने ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऐसे कई नेटवर्क का खुलासा किया है।

अवैध तरीके से राशन कार्ड से लेकर आधार कार्ड तक बनवा रहे हैं। जम्मू कश्मीर में अपनी लड़कियों की शादी कराकर भी रोहिंग्या वहां की नागरिकता हासिल की कोशिश में जुटे रहते हैं। पुलिस को दिसंबर में ही 61 से ज्यादा अवैध आधार कार्ड जम्मू में और 97 आधार कार्ड कश्मीर में मिले। जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी एस.पी.वैद के मुताबिक यहां के लोकल लोगों से रोहिंग्या लड़कियों की शादियां लंबे समय से हो रही हैं। कश्मीर से ज्यादा ये जम्मू में देखने को मिल रहा है। हमें इन्हे वापस भेजना चाहिए। हमें भी अमेरिका, यूरोप की तरह सख्त कदम उठाना चाहिए। बांलादेश और म्यांमार में पहले ही रोहिंग्या मुसलमानों की स्थिति सही नहीं है। ऐसे में अच्छे जीवन की तलाश में रोहिंग्या महिलाएं एक ऐसे मकड़िजाल में फंस रही हैं, जिनसे बाहर निकलना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। कुछ महिलाओं की अपवाही रोगटे खड़े करने वाली है। एक महिला बताती है, उसे कहा गया कि बंगाल में नौकरी दिलाएं। फिर बस और ट्रेन से लंबा सफर कर कश्मीर ले आए। अपने से तीन गुना भारत में लाते हैं। फिर यहां से देश के अलग-अलग राज्यों में इहें भेजा जाता है। असम पुलिस ने हाल ही में इसे लेकर चिंता जारी थी। पुलिस के मुताबिक रोहिंग्या खासतौर से जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और केरल जाते हैं।

जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी एस.पी.वैद के मुताबिक यहां के लोकल लोगों से रोहिंग्या लड़कियों की शादियां लंबे समय से हो रही हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एस.पी.वैद का कहना है कि यह स्थिति सही नहीं है। हमें इन्हें वापस भेजना चाहिए। वह कहते हैं कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह सही नहीं है। हमें भी अमेरिका, यूरोप की तरह सख्त कदम उठाना चाहिए। खासतौर से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन की दखल अंदाजी पूरी तरह से बंद होनी चाहिए।

इस तरह के मामलों की व्यापक जांच की जानी चाहिए ताकि देश में अवैध मानव तस्करी पर नियंत्रण किया जा सके। (विनायक फीर्चस)









# गुकेश फीडे रैंकिंग में चौथे नंबर पर आए

अर्जुन एरिगेसी की जगह ली, अब भारत के हाईएस्ट रैंक प्लेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के डी गुकेश गुरुवार को फीडे (इंटरनेशनल चैम्पियनशिप) की ताजा रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गए हैं। वे अब भारत के हाईएस्ट रैंक खिलाड़ी बन गए हैं। गुकेश ने अर्जुन

गए हैं। नॉर्थ के मैनेस कालसन स्थूल्ष्व वर्ल्ड चेस रैंकिंग में 2832.5 अंकों के साथ टॉप पर बनकर हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका के ग्रैंडमास्टर विकास नाकामुरा (2802) और उनके हमवतन फैवियानो कार्लआना (2798) तीसरे पर हैं। अब चौथे नंबर पर गुकेश और पांचवें पर अर्जुन इरिगेसी हैं। डी गुकेश को 17 जनवरी को भारत की राष्ट्रपति द्वापदी मूर्ख ने देश के सभासे उत्तरी इस दौरान सभी की निगाहें रोहित और यशस्वी जायसवाल पर थीं। बुधवार की रात कोलकाता टी20 में धमाकेदार प्रदर्शन से जहां फैस उत्साहित दिखे, वहीं आगामी सुबह यारी गुरुवार को उहाँ निराशा हाथ लगी। दरअसल, घेरलू क्रिकेट में हाथ अधिकार से उत्तरी टीम इंडिया के बनडे और टेस्ट कासन रोहित शर्मा का फेल होने का सिलसिला जारी रहा।

गुकेश पिछले साल वर्ल्ड चेस चैम्पियन बने थे। 18 साल के गुकेश ने पिछले साल दिसंबर में वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप का खिलाव जीता था। उहाँने चीन के डिफेंडिंग चैम्पियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फैफानल में हाराया। इसी कम उम्र में खिलाव जीतने वाले गुकेश दुनिया का पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्प्रोव ने 22 साल की उम्र में वह खिलाव जीता था। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में 11 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप का टाइटल जीता था।

एरिगेसी की जगह ली है। 18 साल के गुकेश ने नीदरलैंड में चल रहे टाटा स्टील टॉर्नामेंट में जर्मनी के विस्टेंट कीमर को हारा कर यह अचौकामेंट हासिल की। टॉर्नामेंट में यह उक्ती दूसरी जीत थी। गुकेश के अब 2784 रेटिंग अंक हो गए हैं, जबकि पिछले कछु समय से भारत के नंबर एक खिलाड़ी हो गई। एरिगेसी 2779.5 रेटिंग अंकों के साथ 5वें स्थान पर खिसक

थे। उहाँने चीन के डिफेंडिंग चैम्पियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फैफानल में हाराया। इसी कम उम्र में खिलाव जीतने वाले गुकेश दुनिया का पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्प्रोव ने 22 साल की उम्र में वह खिलाव जीता था। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में 11 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप का टाइटल जीता था।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया टॉप मैच में पर्व दिग्नाय ऑलराउंडर एंड्र्यू पिल्टोफ के बेटे ने कमाल कर दिखाया है। रोकी पिल्टोफ ने 9वें नंबर पर उत्तरकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ शानदार सेंचुरी लगाई। बड़ी बात ये है कि रोकी 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उत्तरे थे और उहाँने ताबड़ोड़ सेंचुरी जड़ कर अपनी टीम को मुश्किल से उत्तरे हुए 316 रनों तक पहुंचा दिया। रोकी पिल्टोफ ने पहली पारी में 127 गेंदों में 108 रनों की पारी खेली। उक्ते बल्ले से 6 छक्के और 9 चौके निकले। दिलचस्प बाट ये है कि रोकी पिल्टोफ ने अपने पिता के समने ही थे ताबड़ोड़ सेंचुरी लगाई। एंड्र्यू पिल्टोफ ही इंडैलैंड लायक के कोच हैं।

इंडैलैंड लायक की बात करें तो इस टीम ने पहली पारी में 7 विकेट 161 रन पर गंवा दिया था। लेकिन इसके बाद रोकी पिल्टोफ ने मानो कहर ही बरपा दिया। रोकी ने फ्रैंजी मैक्कैन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की और आखिरी

जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

इसके बावजूद उसे आसानी से जीत मिल गई। भारत ने श्रीलंकाई टीम को महज 58 रनों पर रोक दिया और 60 रनों से एक और बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार में टीम इंडिया लगातार तीन मैच जीतकर टॉप पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में शान से क्लाइफाई किया। दुसरी ओर श्रीलंका इस टॉर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जीती है। टीम इंडिया ने श्रीलंका को हारा कर यह रही जीत की हैट्रिक पूरी की। एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने विशेष टीम को सांस तक नहीं लेने दी। जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक

बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

इसके बावजूद उसे आसानी से जीत मिल गई। भारत ने श्रीलंकाई टीम को महज 58 रनों पर रोक दिया और 60 रनों से एक और बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार में टीम इंडिया लगातार तीन मैच जीतकर टॉप पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में शान से क्लाइफाई किया। दुसरी ओर श्रीलंका इस टॉर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जीती है। टीम इंडिया ने श्रीलंका को हारा कर यह रही जीत की हैट्रिक पूरी की। एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने विशेष टीम को सांस तक नहीं लेने दी। जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक

बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

इसके बावजूद उसे आसानी से जीत मिल गई। भारत ने श्रीलंकाई टीम को महज 58 रनों पर रोक दिया और 60 रनों से एक और बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार में टीम इंडिया लगातार तीन मैच जीतकर टॉप पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में शान से क्लाइफाई किया। दुसरी ओर श्रीलंका इस टॉर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जीती है। टीम इंडिया ने श्रीलंका को हारा कर यह रही जीत की हैट्रिक पूरी की। एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने विशेष टीम को सांस तक नहीं लेने दी। जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक

बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

इसके बावजूद उसे आसानी से जीत मिल गई। भारत ने श्रीलंकाई टीम को महज 58 रनों पर रोक दिया और 60 रनों से एक और बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार में टीम इंडिया लगातार तीन मैच जीतकर टॉप पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में शान से क्लाइफाई किया। दुसरी ओर श्रीलंका इस टॉर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जीती है। टीम इंडिया ने श्रीलंका को हारा कर यह रही जीत की हैट्रिक पूरी की। एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने विशेष टीम को सांस तक नहीं लेने दी। जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक

बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

इसके बावजूद उसे आसानी से जीत मिल गई। भारत ने श्रीलंकाई टीम को महज 58 रनों पर रोक दिया और 60 रनों से एक और बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार में टीम इंडिया लगातार तीन मैच जीतकर टॉप पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में शान से क्लाइफाई किया। दुसरी ओर श्रीलंका इस टॉर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जीती है। टीम इंडिया ने श्रीलंका को हारा कर यह रही जीत की हैट्रिक पूरी की। एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने विशेष टीम को सांस तक नहीं लेने दी। जानिए। कैसे टीम इंडिया ने एकतरफा अंडर 16 में मैच

को जीता? 24वें मुकाबले में टीम इंडिया ने एक

बार पिर कमाल प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को भी हरा दिया। टीम इंडिया ने गुरुवार को यह ए के इस मैच में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 118 रन बनाए लेकिन

